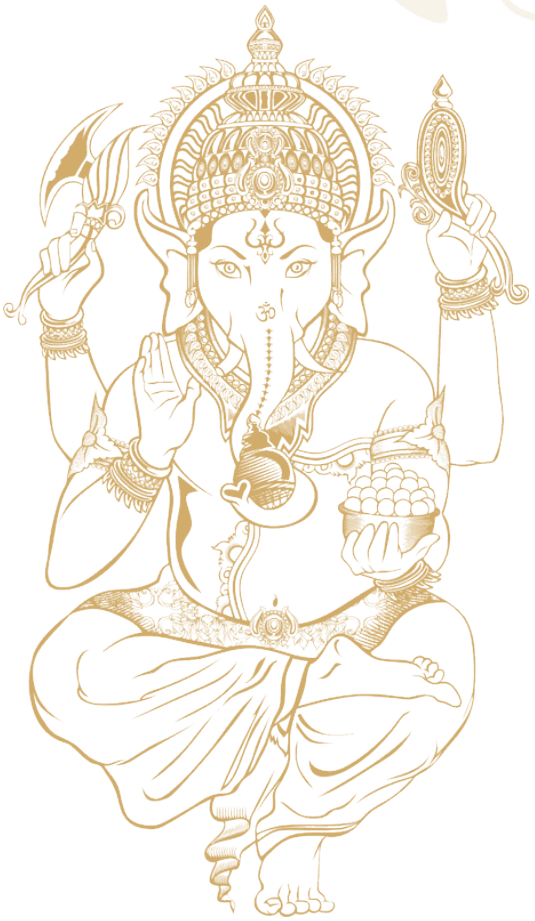

Suraj

08 Mar 2001

04:17 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121190803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/03/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:17:00 घंटे**
इष्ट	24:04:37 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:55:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:49 घंटे
साम्पातिक काल	03:00:42 घंटे
सूर्योदय	06:39:09 घंटे
सूर्यास्त	18:25:09 घंटे
दिनमान	11:46:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:03:32 कुम्भ
लग्न के अंश	27:02:58 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:02:58	309:23:55	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	24:03:32	00:59:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	06:09:42	15:03:28	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	16:53:32	00:28:03	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध			मक	26:46:57	00:51:52	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			वृष	10:09:12	00:07:38	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	23:51:10	00:01:28	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	01:49:14	00:04:25	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:31:39	00:07:47	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:31:39	00:07:47	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:28:18	00:03:13	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:51:31	00:01:51	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:23:02	00:00:20	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	23:46:03	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:09

लग्न-चलित

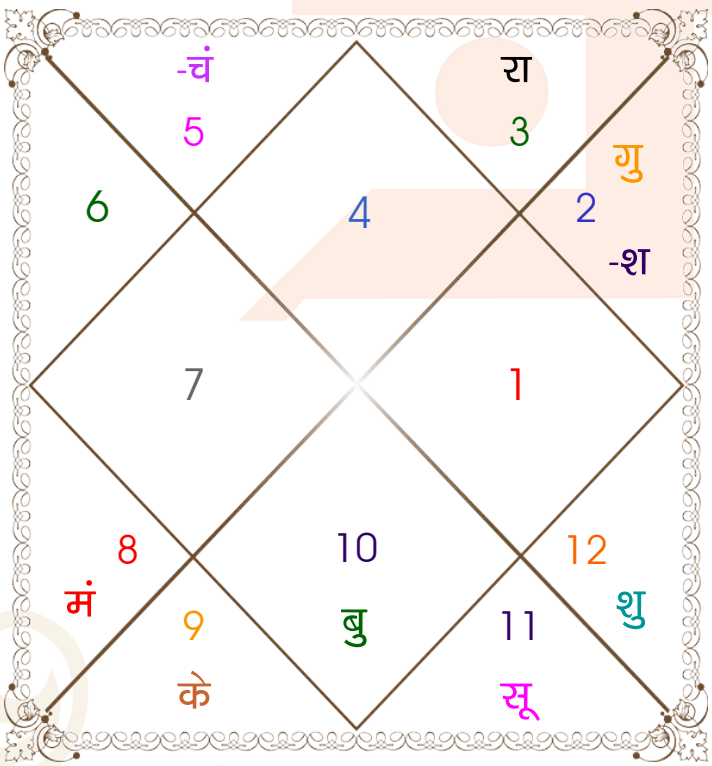

चन्द्र कुंडली

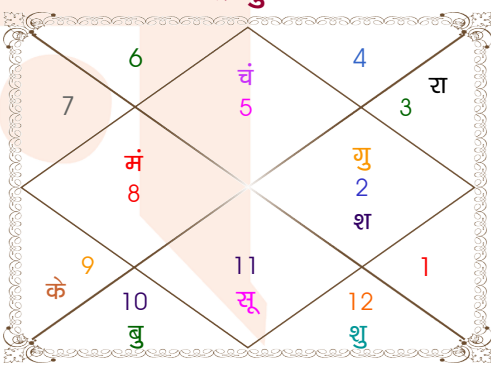

नवमांश कुंडली

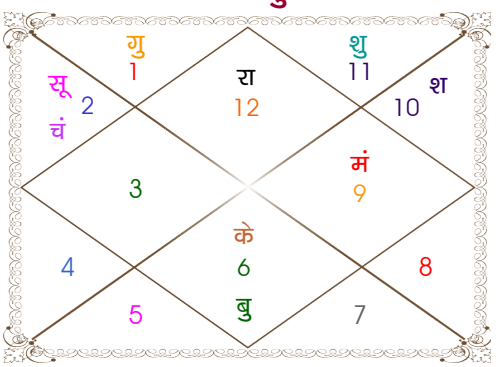

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 9 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/03/2001		12/12/2004		12/12/2024		13/12/2030		12/12/2040	
12/12/2004		12/12/2024		13/12/2030		12/12/2040		13/12/2047	
	00/00/0000	शुक्र	13/04/2008	सूर्य	01/04/2025	चंद्र	13/10/2031	मंगल	11/05/2041
	00/00/0000	सूर्य	13/04/2009	चंद्र	01/10/2025	मंगल	13/05/2032	राहु	29/05/2042
	00/00/0000	चंद्र	13/12/2010	मंगल	05/02/2026	राहु	12/11/2033	गुरु	05/05/2043
	00/00/0000	मंगल	12/02/2012	राहु	31/12/2026	गुरु	14/03/2035	शनि	13/06/2044
	08/03/2001	राहु	12/02/2015	गुरु	19/10/2027	शनि	13/10/2036	बुध	10/06/2045
राहु	30/11/2001	गुरु	13/10/2017	शनि	30/09/2028	बुध	14/03/2038	केतु	06/11/2045
गुरु	06/11/2002	शनि	12/12/2020	बुध	07/08/2029	केतु	13/10/2038	शुक्र	06/01/2047
शनि	16/12/2003	बुध	13/10/2023	केतु	13/12/2029	शुक्र	13/06/2040	सूर्य	14/05/2047
बुध	12/12/2004	केतु	12/12/2024	शुक्र	13/12/2030	सूर्य	12/12/2040	चंद्र	13/12/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/12/2047		13/12/2065		13/12/2081		13/12/2100		14/12/2117	
13/12/2065		13/12/2081		13/12/2100		14/12/2117		00/00/0000	
राहु	25/08/2050	गुरु	31/01/2068	शनि	15/12/2084	बुध	12/05/2103	केतु	12/05/2118
गुरु	18/01/2053	शनि	13/08/2070	बुध	26/08/2087	केतु	08/05/2104	शुक्र	12/07/2119
शनि	25/11/2055	बुध	18/11/2072	केतु	03/10/2088	शुक्र	09/03/2107	सूर्य	17/11/2119
बुध	13/06/2058	केतु	25/10/2073	शुक्र	04/12/2091	सूर्य	14/01/2108	चंद्र	17/06/2120
केतु	02/07/2059	शुक्र	25/06/2076	सूर्य	15/11/2092	चंद्र	14/06/2109	मंगल	13/11/2120
शुक्र	02/07/2062	सूर्य	13/04/2077	चंद्र	16/06/2094	मंगल	11/06/2110	राहु	09/03/2121
सूर्य	26/05/2063	चंद्र	13/08/2078	मंगल	26/07/2095	राहु	29/12/2112		00/00/0000
चंद्र	24/11/2064	मंगल	20/07/2079	राहु	01/06/2098	गुरु	06/04/2115		00/00/0000
मंगल	13/12/2065	राहु	13/12/2081	गुरु	13/12/2100	शनि	14/12/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 9 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।